भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.4997**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

हल्दी बोर्ड

4997. श्री सुनील बोस:

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हल्दी बोर्ड का ब्यौरा क्या है और हल्दी बोर्ड द्वारा विशेषकर कर्नाटक में शुरू की गई परियोजनाओं और कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) हल्दी बोर्ड के अंतर्गत विशेषकर कर्नाटक में आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का गठन दिनांक 04.10.2023 की अधिसूचना फा.सं. 2/2/23-बागान-घ के जरिए निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया था: –

i. हल्दी में नए उत्पाद विकास और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना;
ii. अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हल्दी और हल्दी उत्पादों के प्रति जागरूकता और उपभोग को बढ़ावा देना;
iii. मूल्य संवर्धित हल्दी उत्पादों के विकास के लिए संभावित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाजार अनुसंधान को सुविधा प्रदान करना;
iv. हल्दी और हल्दी उत्पादों के निर्यात के लिए अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स के सृजन और सुधार को सुविधाजनक बनाना;
v. फारवर्ड एवं बैकवर्ड लिकेजों को मजबूत करके हल्दी और हल्दी उत्पादों के लिए लचीली और सतत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण को प्रोत्साहित करना;
vi. हल्दी की आपूर्ति श्रृंखला में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देना;
vii. मूल्य संवर्धन संबंधी क्रियाकलापों के लिए हल्दी उत्पादकों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देना;

viii. हल्दी के उपयोग और इसके अनुप्रयोगों से संबंधित पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण को मजबूत करना;

ix. हल्दी के औषधीय, स्वास्थ्य और आरोग्य सवंर्धिक गुणों पर अध्ययन, नैदानिक परीक्षण और अनुसंधान को प्रोत्साहित करना; और .

x. कोई अन्य उद्देश्य जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा हल्दी क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए निर्धारित किया जाए।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन दिनांक 14 जनवरी, 2025 को किया गया था, जिसका मुख्यालय निज़ामाबाद, तेलंगाना में हैं। वर्ष 2024-25 में, मसाला बोर्ड ने कर्नाटक में हल्दी सहित मसालों के लिए विभिन्न कार्यक्रम और कार्यकलाप शुरू किए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ बाजार संपर्क कार्यक्रम, क्रेता-विक्रेता बैठकें, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और हल्दी बॉयलर की स्थापना हेतु सहायता शामिल है। वर्ष 2024-25 में उपरोक्त कार्यक्रमों पर मसाला बोर्ड द्वारा कुल व्यय 2.24 करोड़ रुपये व्यय किए गए जिसमें 2941 लभ्यार्थी लाभान्वित हुए।

*****